

काँथरि स्त्री. (तद्.) कथरी, गुदड़ी, कंथा, कथूलिया।

काँद पुं. (तद्.) 1. कांदव, हलवाई 2. भड़भूँजा 3. एक उपजाति (भाँड़ भूजने वाली) 4. क्रंदन, रोना, चिल्लाना।

काँदन पुं. (तद्.) 1. क्रंदन, रोना-पीटना, रोना-चीखना 2. काटने की क्रिया, भाव, गुण।

काँदना अ.क्रि. (तद्.) 1. जोर से चिल्लाकर रोना, चिल्लाना **स.क्रि.** (तद्.) 1. रौंदना 2. पानी मिलाकर गूथना जैसे- आटा काँदना 3. काटना-धातु-काँदना।

काँदला वि. (तद्.) 1. मैला, गंदा पुं. (तद्.) कीचड़।

काँदा पुं. (तद्.) कर्दभ, कीचड़।

काँदो पुं. (तद्.) कीचड़।

काँध पुं. (तद्.) स्कंध, कंधा।

काँधना स.क्रि. (तद्.) 1. कंधे (कंधों) पर लेना, उठाना या उठाकर रख लेना, वृद्ध आदि को उठाना, युद्ध आदि ठान लेना उदा. रहा न देसर ओहि सौं काँधा -जायसी(पद्य.25/10) 2. ग्रहण करना 3. स्वीकार करना 4. सहना उदा. "जाकी बात कही तुम हमकों, सु धौं कहौ को काँधी" -सूरसागर (10/3540)।

काँधरा पुं. (तद्.) कन्हैया, श्रीकृष्ण, कान्हा।

काँधी पुं. (तद्.) कंधा, स्कंध।

काँप स्त्री. (तद्.) 1. कान का एक गहना (आभूषण) 2. बाँस की पतली तथा लचीली तीली 3. पतंग में लगाए जाने वाली बाँस की पतली लचीली तीली 4. सूअर का खोंग 5. हाथी का दाँत।

काँपना स.क्रि. (तद्.) 1. क्रोध, भय आदि के कारण शरीर के अंगों का कंपित होना, हिलना-डुलना 2. हिलना 3. बहुत डरना 4. भय से थराना।

काँब स्त्री. (देश.) छड़ी।

काँबी स्त्री. (देश.) पैर का एक आभूषण।

काँय-काँय स्त्री. (अनु.) 1. कौए का 'काँब-काँब' शब्द 2. अप्रिय शब्द 3. कर्कश ध्वनि 4. व्यर्थ या बेकार की बातें 5. लाक्ष. विवाद, झगड़ा।

काँव-काँव करना अ.क्रि. (अनु.) 1. कौए का बोलना 2. व्यर्थ आलोचना करना 3. व्यर्थ की निंदात्मक चर्चा करना 4. बेकार का विवाद-बढ़ाना।

काँवड़/काँवर स्त्री. (देश.) बाँस की लंबी मोटी लाठी से बनी, कंधे पर रखकर भार या वजन ढोने के लिए, बहंगी, जिसके दोनों छोरों पर बँधे छीकों में वस्तुएँ रखकर ढोई जाती हैं, प्रायः तीर्थयात्री विशेष पर्वों पर गंगाजल बहंगी के दोनों पलड़ों या टोकरी में रखकर शिवतीर्थों में जाकर चढ़ाते हैं।

काँवरा वि. (देश.) 1. घबराया हुआ, हक्का-बक्का, भौंचक्का 2. व्याकुल, विकल।

काँवरि स्त्री. (देश.) काँवर, काँवड़।

काँवरिया पुं. (देश.) काँवर लेकर पैदल चलने वाला, तीर्थयात्री।

काँवरू पुं. (तद्.) कामरूप देश (आसाम) 2. कमल रोग।

काँवारथी पुं. (तद्.) कामार्थी, (कामना लेकर-चलने वाला) वह यात्री जो किसी तीर्थ यात्रा पर कोई कामना लेकर कंधे पर काँवर उठाए जाता है।

काँस पुं. (तद्.) 1. कास, काश 2. शरद ऋतु में होने तथा फूलने वाली लंबी सफेद फूलों वाली घास, (वनस्पति)।

काँसा पुं. (तद्.) 1. कांस्य, ताँबे, जस्ते आदि की मिलावट से बनी हुई एक मिश्र धातु 2. भीख माँगने का खप्पर।

काँसागर पुं. (तद्.) 1. काँसे की धातु का काम करने वाला व्यक्ति 2. काँसे की वस्तुएँ बनाने वाला कारीगर।

काँसार पुं. (तद्.) 'कसेरा' काँसे का काम करने वाला।

काँसी स्त्री. (तद्.) 1. काँसा 2. धान के पौधे का एक रोग।